जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

17 जनवरी, 2022

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में टीचर एजुकेशन पर दो साप्ताहिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संपन्न

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया और शिक्षा संकाय (जेएमआई) द्वारा संयुक्त रूप से टीचर एजुकेशन में 'टीचर एजुकेशन: लर्निंग आउटकम्स एंड एजुकेशनल रिफार्म-पेडागोजी,असेसमेंट एंड क्वालिटी एसयुरेंस' पर दो साप्ताहिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आज संपन्न हुआ। यह उनके द्वारा आयोजित तीसरा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन मोड में दूसरा) था। भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 35 से अधिक टीचर एजुकेटर के प्रशिक्षण और कौशल संवर्द्धन के लिए 4 जनवरी, 2022 को पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम का विषय टीचर एजुकेशन में नीति कार्यान्वयन की चुनौतियाँ था।

प्रो नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डॉ हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, समापन सत्र की मुख्य अतिथि थीं, जिसकी अध्यक्षता प्रो-वाइस चांसलर, जामिया प्रो. तस्नीम फातमा ने की। समापन वक्तव्य प्रो. एजाज मसीह, डीन, शिक्षा संकाय, जामिया ने दिया। प्रो. अनीसुर रहमान, निदेशक, यूजीसी-एचआरडीसी, जेएमआई ने मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। डॉ सज्जाद अहमद, सहायक प्रोफेसर और पाठ्यक्रम समन्वयक, शैक्षिक अध्ययन विभाग ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

अपने समापन भाषण में प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एनईपी 2020 की प्राप्ति के लिए उच्च शिक्षा संकाय द्वारा लर्निंग, डी-लर्निंग और री-लर्निंग के निरंतर प्रयास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एनईपी 2020 की व्यावहारिकता पर ध्यान केंद्रित किया और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 को लागू करना संपूर्ण शिक्षक बिरादरी की जिम्मेदारी है जो सामूहिक रूप से इसे सफल बनाएगी।

अपने समापन वक्तव्य में, प्रो. एजाज मसीह ने पारंपरिक, व्यवहारिक, अधिक परिवर्तनकारी और अधिक नवीन शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित किया, जो समय की आवश्यकता है। उन्होंने निष्कर्ष रूप में कहा कि टीचर एजुकेशन पाठ्यक्रम का पुनर्गठन 'लोकविद्या' के अनुरूप होना चाहिए और पश्चिमी उन्मुख शिक्षा से दूर होना चाहिए।

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सज्जाद अहमद ने कोर्स का संक्षिप्त विवरण दिया और रेखांकित किया कि कैसे प्रतिभागियों ने सत्र में अधिगम के परिणाम प्रस्तुत करने, संगोष्ठी पेपर लिखने एवं प्रस्तुत करने, शोध प्रस्ताव लिखने और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान परीक्षा देने जैसे कई अभ्यासों में कड़ी मेहनत की है। .

डॉ. अंसार अहमद, सहायक प्रोफेसर तथा एक अन्य पाठ्यक्रम समन्वयक, शिक्षक प्रशिक्षण विभाग और एनएफई (आईएएसई), जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया